भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 1339

दिनांक 30 जुलाई, 2024 के लिए प्रश्न

राष्ट्रीय गोकुल मिशन का कार्यान्वयन

1339. श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोर:

डॉ. राजीव भारद्वाज:

श्री सतपाल ब्रह्मचारी:

श्री अनुराग सिंह ठाकुर:

श्री बाल्या मामा सुरेश गोपीनाथ म्हात्रे:

श्री प्रदीप पुरोहित:

डॉ. जयंत कुमार राय:

श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव:

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल:

श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन;

सुश्री कंगना रनौत:

श्री नव चरण माझी:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार देश में राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) को क्रियान्वित कर रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी मुख्य विशेषताएं क्या हैं;

(ख) दूध उत्पादन बढ़ाने और देशी गौ-वंश की उत्पादकता बढ़ाने में आरजीएम की क्या भूमिका है; और

(ग) क्या आरजीएम ने देश में डेयरी व्यवसाय में लगे ग्रामीण किसानों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता में वृद्धि की है/बढ़ाने का प्रस्ताव किया है, यदि हां, तो हिमाचल प्रदेश और हरियाणा सहित राज्य-वार, जिला-वार, विशेषकर सोनीपत जिले में तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (ग) भारत सरकार वर्ष 2014 से देशी नस्लों के विकास और संरक्षण, बोवाईन आबादी के आनुवंशिक उन्नयन और बोवाईनों के दुग्ध उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि के लिए राष्ट्रीय

गोकुल मिशन कार्यान्वित कर रही है। यह योजना 2400 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ वर्ष 2021-22 से वर्ष 2025-26 तक विभाग की संशोधित और पुनर्संरेखित योजनाओं के तहत जारी है। इस योजना की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं: (i) उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके बोवाईनों की उत्पादकता बढ़ाना और सतत तरीके से दूध उत्पादन बढ़ाना; (ii) प्रजनन प्रयोजनों के लिए उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों के उपयोग का प्रचार-प्रसार करना; (iii) प्रजनन तंत्र के सुदृढ़ीकरण और किसानों के द्वार पर कृत्रिम गर्भाधान सेवाएं प्रदान करके कृत्रिम गर्भाधान कवरेज को बढ़ाना; (iv) वैज्ञानिक और समग्र तरीके से देशी गोपशु और भैंस के पालन तथा संरक्षण को बढ़ावा देना।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन के कार्यान्वयन और भारत सरकार द्वारा उठाए गए अन्य कदमों के कारण, वर्ष 2014-15 से वर्ष 2022-23 के दौरान देश में दूध उत्पादन की वार्षिक वृद्धि दर 6% है। दूध उत्पादन वर्ष 2014-15 के 146.3 मिलियन टन से 57.62% बढ़कर वर्ष 2022-23 में 230.6 मिलियन टन हो गया है। कि वर्ष 2014-15 और वर्ष 2022-23 के बीच डिस्क्रिप्ट, नॉन-डिस्क्रिप्ट गोपशु, भैंस और संकर गोपशुओं सहित सभी श्रेणियों के पशुओं की उत्पादकता में 27% की वृद्धि हुई है। इसी तरह, भैंसों की उत्पादकता वर्ष 2013-14 के 1792 किलोग्राम प्रति पशु प्रति वर्ष से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 2212 किलोग्राम प्रति पशु प्रति वर्ष हो गई है।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है और इस कार्यक्रम का लाभ डेयरी में लगे 9 करोड़ किसानों, विशेषकर छोटे और सीमांत किसानों तथा भूमिहीन श्रमिकों तक पहुंच रहा है। पिछले 5 वर्षों और चालू वर्ष के दौरान राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश और हरियाणा सहित राज्य-वार जारी की गई निधियों का ब्यौरा अनुबंध-I में दिया गया है।

*****

अनुबंध-।

पिछले 5 वर्षों तथा चालू वर्ष में राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश और हरियाणा सहित राज्य-वार जारी की गई निधि

राज्य	जारी की गई निधि
आंध्र प्रदेश	16257.7
अरुणाचल प्रदेश	4629.8
असम	9505.51
बिहार	22839.63
छत्तीसगढ़	5005.1
गोवा	100.56
गुजरात	14624.94
हरियाणा	8564.38
हिमाचल प्रदेश	8319.71
जम्मू और कश्मीर	6691.24
झारखंड	7673.595
कर्नाटक	12337.35
केरल	11420.71
मध्य प्रदेश	27099.09
महाराष्ट्र	8258.28
मणिपुर	2240.65
मेघालय	3802.96
मिजोरम	1610.17
नागालैंड	2426.57
उड़ीसा	8428.715
पंजाब	4697.64
राजस्थान	4941.99
सिक्किम	2673.12
तमिलनाडु	22324.34
तेलंगाना	10946.9
त्रिपुरा	4064.2
उत्तर प्रदेश	27773.37
उत्तराखंड	18623.59
पश्चिम बंगाल	11448.2

******